प्रशासन और वित्त

14.1 प्रशासन

सामान्य प्रशासन

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र विकास के साथ, हाल ही में जैवप्रौद्योगिकी विभाग की गतिविधियाँ कई गुणा बढ़ गई है। अतः उत्तम कार्य वातावरण, अधिक स्थान, विकसित संचार सुविधाओं, आधुनिकतम कार्यालय उपकरण आदि की आवश्यकता हो गई है क्योंकि विश्व भर की प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों से अन्योन्यक्रिया की जाती है। वर्ष भर बड़ी संख्या में सभाएँ आयोजित की जाती है जिनमें देश तथा विश्व के प्रमुख वैज्ञानिक सम्मिलित होते हैं।

यद्यपि कार्य के आकार के साथ कार्यालय स्थान नहीं बढ़ा है, कम्प्यूटरों तथा अन्य आधुनिक सहायक सामग्रियों से सुसज्जित कम्पोजिट कार्य स्टेशन बना कर समस्या को हल करने का प्रयत्न किया गया है। सम्मेलन कार्यो का पुनरूद्धार किया गया है और वहाँ कम्प्यूटर तथा प्रक्षेपण उपकरण लगाए गए हैं। कैन्टीन, प्रसाधन आदि जैसी सामान्य सुविधाओं को सुधारा गया है।

विभाग द्वारा आई एम डी स्पोर्टस इवैन्ट्स, 2004 में भाग लेना

विभाग ने पहली बार 7-11, दिसम्बर, 2004 को बंगलौर में आयोजित आई एम डी स्पोर्टस इवेंट्स में 14 अधिकारियों/कर्मचारियों (10 पुरूष तथा 4 महिलाएं) के दल के साथ भाग लिया।

स्थापना दिवस

विभाग ने 25 फरवरी, 2005 को अपना स्थापना दिवस मनाया।

स्थापना

स्थापना अनुभाग वैज्ञानिकों/अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएँ देने के लिए पूरा प्रयास कर रहा है जिससे कि वे अधिकतम कार्य कर सकें।

ई - प्रशासन

सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के एक्जीक्यूटिव रिकॉर्ड बनाए गए हैं और उन्हें लोकल एरिया नेटवर्क पर डाला गया है। यह सूचना कैरियर प्रबंधन, कार्य में प्रशिक्षण और लेटरल गतिशीलता में सहायक है। विभाग एक सर्वांगीण वेबसाइट का रख रखाव करता है जो विभिन्न लक्ष्यित दलों जैसे वैज्ञानिकों, अध्यापकों, छात्रों और उद्योगों को सूचना प्रदान करती है।

संचार एवं सूचना मंत्रालय (एम सी आई टी) द्वारा उच्च ई रैडीनैस पैमाने पर 69 सरकारी विभागों का ई प्रशासन में किये गए सर्वेक्षण में विभाग को चौथा स्थान मिला है।

अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांगों का प्रतिनिधित्व

वर्ग क, ख, ग तथा घ श्रेणियों में 31.12.2004 को अनुसूचित जातियों/जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों/विकलांगों की संख्या निम्न प्रकार हैः

श्रेणी	वर्ग " क"	वर्ग " ख"	वर्ग " ग"	वर्ग " घ"	कुल
कुल	43	39	59	40	181
अनुसूचित जाति	4	3	8	19	34
अनुसूचित जनजाति	2	1	5	3	11
अन्य पिछड़ा वर्ग	कुछ नहीं	1	6	कुछ नहीं	7
विकलांग	कुछ नहीं	कुछ नहीं	3	कुछ नहीं	3

राजभाषा का प्रगामी प्रयोग

हिंदी के प्रयोग की समीक्षा प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में की जाती है। 14 से 28 सितम्बर, 2004 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया जिसके दौरान निबंध लेखन, टिप्पणी एवं मसौदा लेखन, वादविवाद प्रतियोगिता, जैव प्रौद्योगिकी पर मूल निबंध, पहेलियाँ, हिंदी टंकण पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिये गए। वर्ष 2003 में बायोटेक हिंदी ग्रंथ पुरस्कार योजना के लिए निम्नलिखित पुस्तकें चुनी गईं

क्र.सं.	शीर्षक	लेखक
1.	क्लोनिंग	श्रीमती विनीता सिंघल
2.	" डी एन एँ से "डॉली" और मानव क्लोनिंग तक जीनियागिरी की दुनिया	डॉ0 रमेश दत्त
3.	औषधीय फसलें	डॉ0 चित्रांगद राघव

वर्ष 2004 के लिए पुरस्कार के लिए कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है।

सतर्कता यूनिट

विभाग में एक सतर्कता यूनिट कार्यरत है। जनवरी से दिसम्बर, 2004 की अवधि के दौरान सतर्कता संबंधी कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया कि सतर्कता संबंधी मामलों की न्यूनतम करने के लिए रोकथाम के सभी उपाय किये जाएं। सतर्कता सप्ताह मनाते हुए केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार 1 नवम्बर, 2004 को विभाग के अधिकारियों और स्टाफ के सदस्यों ने " शपथ " ग्रहण की।

अन्य कार्यकलाप

- विभाग में स्थापित शिकायत निवारण तंत्र कार्य कर रहा है। 31.12.2004 की स्थिति के अनुसार कोई शिकायत लंबित नहीं है।
- गृह मंत्रालय से प्राप्त अनुदेशों के अनुसरण में 21 मई, 2004 को आतंकवाद विरोधी दिवस पर विभाग के अधिकारियों तथा स्टाफ के सदस्यों द्वारा शपथ ली गई।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय से प्राप्त अनुदेशों के अनुसरण में 20 अगस्त, 2004 को सद्‌भावना दिवस पर विभाग के अधिकारियों तथा स्टाफ के सदस्यों द्वारा शपथ ली गई।
- देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए 19 नवम्बर, 2004 को विभाग के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता के लिए शपथ ली। 19-25 नवम्बर, 2004 तक कौमी एकता सप्ताह मनाया गया।
- राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्‌भावना संस्था के कार्यक्रम के अनुसार 25 नवम्बर, 2004 को झंडा दिवस मनाया गया। इससे एकत्र की गई धनराशि को संस्था में जमा करा दिया गया।
- उत्पादकता पखवाड़ा मनाते हुए 23 फरवरी, 2004 को " उत्पादकता, विकास और प्रतियोगिता बढ़ाएं " पर एक टॉक आयोजित की गई। अधिकारियों और स्टाफ के सदस्यों ने बड़ी संख्या में टॉक में भाग लिया और लाभ उठाया।

पुस्तकालय का कम्प्यूटरीकरण

विभाग के पुस्तकालय का कम्प्यूटरीकरण किया गया और जरनल्स, पुस्तकें, पीरियडिकल्स आदि सभी संसाधन को लोकल एरिया नेटवर्क द्वारा देखे जा सकते हैं। पुस्तकालय विभाग के कर्मचारियों को लैन के द्वारा प्रतिदिन जैवप्रौद्योगिकी पर न्यूज क्लिप्स भी उपलब्ध कराती हैं।

14.2 वित्त

बायोटेक्नोलॉजी विभाग को वर्ष 2004-05 के लिए 323.45 करोड़ रूपये (310.00 करोड़ रूपये योजना और 13.45 करोड़ रूपये योजनेत्तर) आबंटित किए गए थे। वर्ष 2005-06 के लिए बजट आबंटन 445.00 करोड़ रूपये (योजना) और 13.60 करोड़ रूपये (योजनेत्तर) है। विभिन्न कार्यक्रमों/ योजनाओं के संबंध में वर्ष 2003-04 के दौरान वास्तविक व्यय, बजट अनुमान और संशोधित अनुमान 2004-05 और बजट अनुमान 2005-06 का विस्तृत ब्यौरा दर्शाते हुए वित्तीय विवरण अनुलग्नक X में दिया गया है।